कान्ह-सरस्वती नदी रिवर फ्रंट के लिए इंदौर ने मांगी 671 करोड़ की स्वीकृति

- महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने केंद्र मंत्री मनोहर लाल खट्टर से की चर्चा
- स्टोन पिचिंग, वॉक-वे, उद्यान और लाइटिंग से सजेगा शहर का नया आकर्षण

नदी पुनरुद्धार में मिसाल कायम करेगा इंदौर : महापौर

महापौर भार्गव ने कहा कि स्वच्छता और नवाचार में लगातार देश में अग्रणी इंदौर अब नदी पुनरुद्धार और पर्यटन विकास के क्षेत्र में भी मिसाल कायम करेगा.

इंदौर/करनाल. महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहर की जीवनदायिनी कान्ह (28 किमी.) और सरस्वती (13 किमी.) नदी के रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए 671.69 करोड़ रुपये की डीपीआर स्वीकृत करने का आग्रह केंद्र सरकार से किया है. इस संदर्भ में उन्होंने आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से हरियाणा के करनाल में आयोजित महापौर परिषद की बैठक के दौरान पृथक चर्चा की.

महापौर ने बताया कि इस परियोजना में स्टोन पिचिंग, वॉक-वे, उद्यान, विद्युत सज्जा और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य सम्मिलित हैं. इसके पूर्ण होने पर शहर के मध्य एक आकर्षक व रमणीय रिवर फ्रंट तैयार होगा, जो न केवल नागरिकों बल्कि पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा. गौरतलब है कि हरियाणा पहली बार अखिल भारतीय महापौर परिषद की प्रतिष्ठित 53वीं वार्षिक आम सभा की मेजबानी कर रहा है. इस दो दिवसीय बैठक में देशभर के महापौर शामिल हुए हैं, जहां शहरी विकास से जुड़े अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है.

बारिश में जल जमाव होने पर नाराज हुए निगमायुक्त

- अधिकारियों को मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश
- जल जमाव एवं चल समारोह के संबंध में की समीक्षा

इंदौर. नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा आज सिटी बस कार्यालय में शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में समस्त अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख, उपायुक्त, झोनल अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे.

बैठक में सबसे पहले आयुक्त श्री वर्मा ने शहर में वर्षाकाल के दौरान किन-किन क्षेत्रों में जल जमाव की स्थिति बनी थी, उसकी समीक्षा की. उन्होंने निर्देशित किया कि शहर में कहीं भी जल जमाव न हो, इसके लिए सभी अधिकारी मुस्तैदी से कार्य करें, जिन क्षेत्रों में जल जमाव हुआ वहां के जोनल अधिकारियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए आयुक्त ने निर्देश दिए कि जल जमाव के स्थिति से बचने के लिए जो भी कार्य करना है उसे करें. शहर की स्टॉर्म वाटर लाइन, चेम्बर की सफाई एवं नालों की सुचारू निकासी के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई. जिन स्थानों पर बड़े पैमाने पर जल जमाव होता है, वहां बहाव के पानी को डायवर्ट करने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश आयुक्त द्वारा दिए गए. आयुक्त ने वर्षाकाल के दौरान बेहतर जल निकासी और यातायात की सुगमता के लिए आपदा प्रबंधन टीम के कर्मचारियों की ड्यूटी नियत स्थानों पर प्रभावी ढंग से लगाने के संबंध में भी समीक्षा की. उन्होंने यह भी कहा कि निगम मुख्यालय एवं झोनल कार्यालयों में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहे तथा नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध व नियमानुसार समाधान किया जाए.

झांकी मार्ग से केबल वायर हटाएं

बैठक में आगामी श्री गणेश विसर्जन चल समारोह के आयोजन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई. आयुक्त श्री वर्मा ने झांकी मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सफाई व्यवस्था एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, झांकी मार्ग पर लटके हुए अनावश्यक केबल वायर को हटाने और मार्ग से सटे चिह्नित जर्जर एवं खतरनाक भवनों पर सूचना बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए गए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे.

इंदौर का कचरा प्रबंधन सीखने विदेश से आया प्रतिनिधि मंडल

- लैटिन अमेरिका से चार देशों का दल आया इंदौर
- इंदौर के स्वच्छता मॉडल का करेंगे अध्ययन
- आयुक्त ने की प्रतिनिधि मंडल से सौजन्य भेंट

इंदौर. स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे इंदौर नगर निगम के कार्यों को जानने और समझने हेतु लैटिन अमेरिका से चार देशों का प्रतिनिधि मंडल इंदौर पहुँचा. प्रतिनिधि मंडल में ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर एवं ग्वाटेमाला के अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हैं.

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने रेसिडेंसी कोठी पर विदेशी दल से सौजन्य भेंट की. इस अवसर पर अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे. आयुक्त महोदय ने प्रतिनिधि मंडल को इंदौर की स्वच्छता यात्रा, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सेग्रीगेशन, री-सायक्लिंग एवं वैल्यू एडिशन की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी. विदेशी प्रतिनिधियों ने गोबर्धन बायो-सीएनजी प्लांट तथा ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया, जहाँ शहर से निकलने वाले कचरे से मीथेन गैस बनाकर सीएनजी तैयार की जाती है. उन्होंने इंदौर द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन में अपनाई गई नवीन तकनीकों, सतत् विकास की दिशा में किए गए प्रयासों तथा कचरे से ऊर्जा निर्माण की प्रक्रिया की सराहना की.

विकासशील देशों के लिए उत्कृष्ट उदाहरण

लैटिन अमेरिकी दल ने कहा कि इंदौर का स्वच्छता मॉडल विकासशील देशों के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसे वे अपने-अपने देशों में अपनाने पर विचार करेंगे.

हरियाली बचाने और एक-एक पौधा लगाने का संदेश

- पार्श्वनाथ पंचायती मंदिर पर सुगंध दशमी पर्व मनाया
- संयम धर्म सबसे महत्वपूर्ण : विमलप्रभा माताजी

इंदौर. अंजनि नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर पर पर्युषण के छठे दिन सुगंध दशमी का महापर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया. मंदिर पर विशेष श्रृंगार और विद्युत एवं पुष्प सज्जा कर कृत्रिम जंगल के रूप में सजाकर समाजबंधुओं को हरियाली बचाने एवं अपने घर-आंगन में एक-एक पौधा लगाने का संदेश भी दिया गया.

अध्यक्ष देवेन्द्र सोगानी ने बताया कि सुबह मंदिर पर गणिनी विमलप्रभा माताजी ससंघ के सानिध्य में सामूहिक अभिषेक शांति धारा के साथ पूजा किया गया. सैकड़ों समाजजनों ने जय-जयकार करते हुए अपनी पूजा-अर्चना पूरी की. इसके पश्चात संत सदन में माताजी के आशीर्वचन के पूर्व मंगलाचरण के बीच दीप अर्चना कर शास्त्र भेंट किया गया. माताजी ने कहा कि दस धर्मों में संयम धर्म सबसे महत्वपूर्ण माना गया है. जो अपने जीवन में संयम की साधना करेगा, वह कभी भी दुखी नहीं रहेगा. उन्होंने कई कहानियों के माध्यम से पर्युषण पर्व की महत्ता बताई.

भक्तों का मेला जुटा

मंदिर कमेटी के अशोक टोंग्या ने बताया कि विमल प्रभा माताजी के मंगल चातुर्मास के दौरान अंजनि नगर मंदिर पर भक्तों का मेला जुटा हुआ है. उनके दर्शन के लिए अहमदाबाद, जयपुर, कोटा, चेन्नई, रामगंज मंडी सहित अनेक शहरों एवं कस्बों के श्रद्धालु आए हुए हैं. संचालन ऋषभ पाटनी ने किया और बताया कि माताजी का इंदौर में यह पहला चातुर्मास है, जबकि वे अब तक 40 चातुर्मास कर चुकी हैं. उनकी आयु 75 वर्ष है और वे पूरे वात्सल्य भाव से सबको आशीर्वाद दे रही हैं. नितिन पाटोदी ने आभार माना.